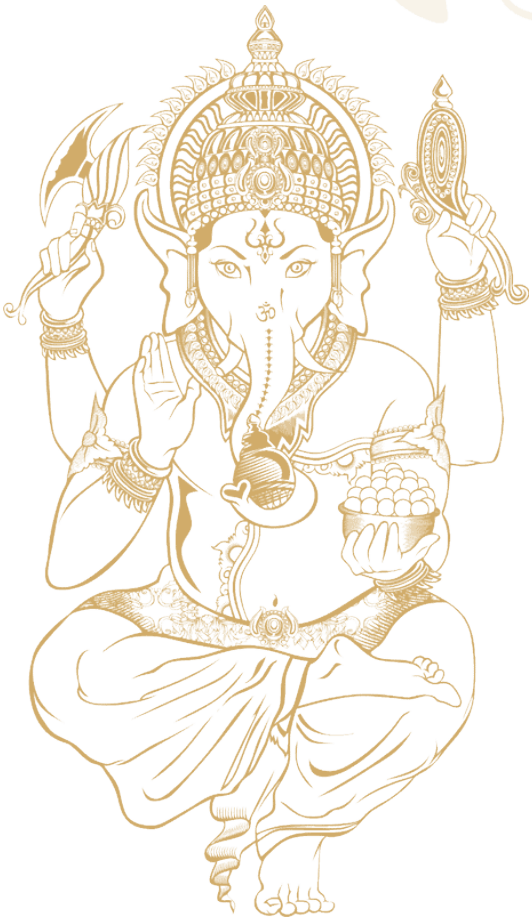

Pankaj Rao

Ankita Rao

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119923701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119923701 Date: 28/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/09/1993	जन्म तिथि	28/10/1996
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:45:00	जन्म समय	06:40:00 घंटे
घटी 52:15:34	जन्म समय(घटी)	01:28:47 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:46	सूर्योदय	06:04:29
18:03:23	सूर्यास्त	17:29:25
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:46
कर्क	लग्न	तुला
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
चित्रा	नक्षत्र	कृतिका
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	1
ब्रह्म	योग	व्यतिपात
तैतिल	करण	गर
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
व्याघ्र	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	गरूड़

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 5वर्ष 5मा 24दि		17:58:33	कर्क	लग्न	तुला	18:18:30	सूर्य 4वर्ष 9मा 15दि	
गुरु		01:12:39	कन्या	सूर्य	तुला	11:04:55	राहु	
13/03/2017		26:13:24	कन्या	चंद्र	मेष	29:20:53	14/08/2018	
13/03/2033		00:03:33	तुला	मंगल	सिंह	04:55:54	13/08/2036	
गुरु	01/05/2019	16:45:43	कन्या	बुध	तुला	07:52:11	राहु	26/04/2021
शनि	11/11/2021	24:44:54	कन्या	गुरु	धनु	18:23:04	गुरु	20/09/2023
बुध	17/02/2024	01:42:44	सिंह	शुक्र	कन्या	04:26:14	शनि	27/07/2026
केतु	23/01/2025	01:09:09	कुंभ व	शनि व	मीन	07:55:27	बुध	12/02/2029
शुक्र	24/09/2027	11:53:35	वृश्चि व	राहु व	कन्या	14:01:33	केतु	02/03/2030
सूर्य	12/07/2028	11:53:35	वृष व	केतु व	मीन	14:01:33	शुक्र	02/03/2033
चन्द्र	11/11/2029	24:29:35	धनु व	हर्ष	मक	06:58:04	सूर्य	25/01/2034
मंगल	18/10/2030	24:38:38	धनु व	नेप	मक	01:17:30	चन्द्र	27/07/2035
राहु	13/03/2033	29:32:06	तुला	प्लूटो	वृश्चि	08:06:26	मंगल	13/08/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:46

लग्न-चलित

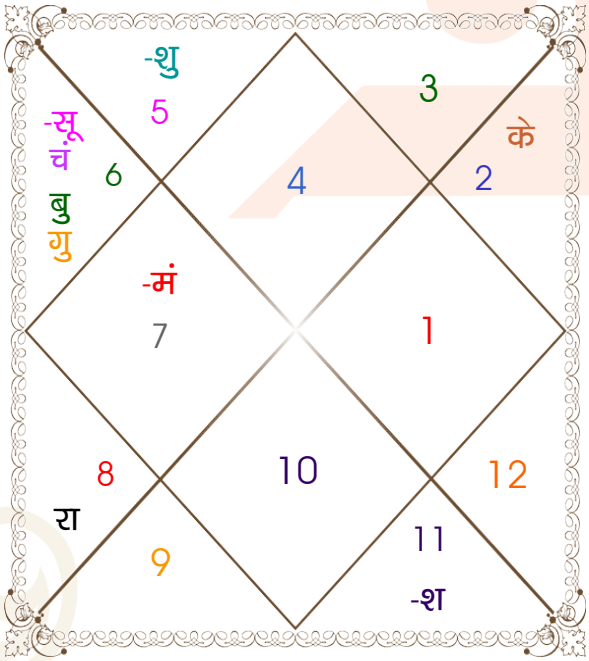

लग्न-चलित

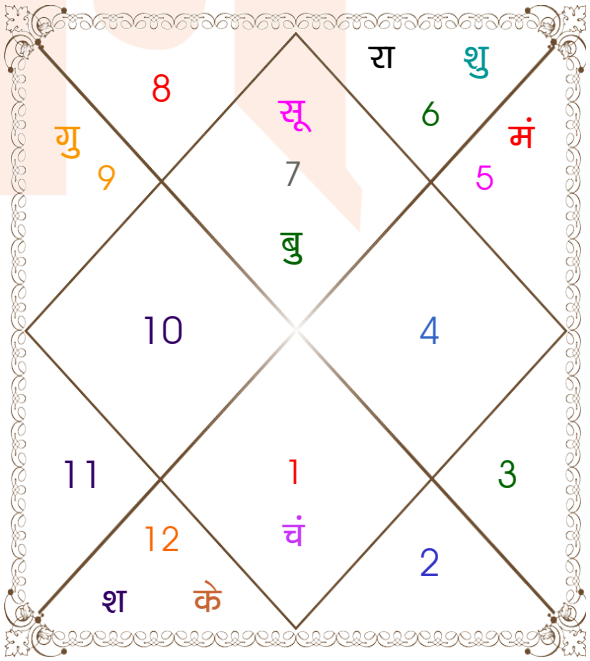

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

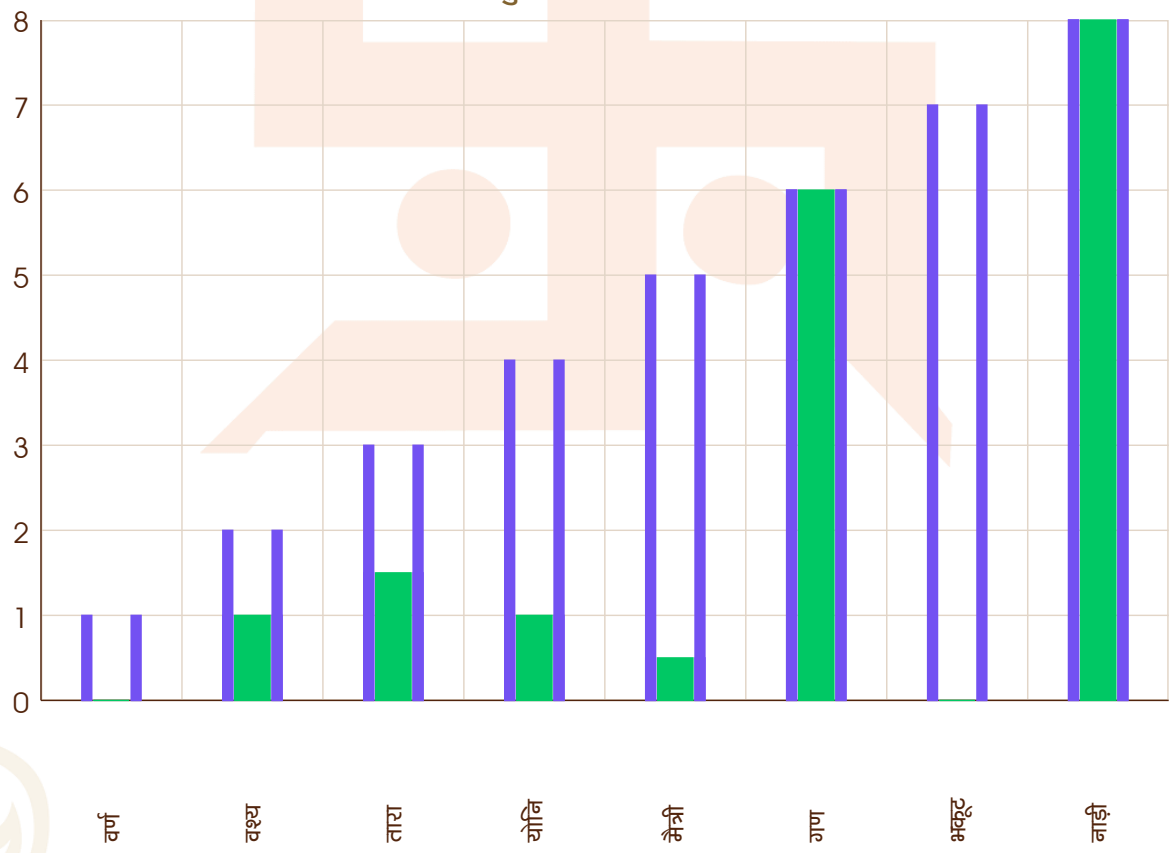

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Pankaj Rao का वर्ग मूषक है तथा Ankita Rao का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pankaj Rao और Ankita Rao का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Pankaj Rao मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ankita Rao मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ankita Rao कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pankaj Rao तथा Ankita Rao में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pankaj Rao का वर्ण वैश्य है तथा Ankita Rao का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ankita Rao का वर्ण Pankaj Rao के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ankita Rao अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ankita Rao को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Pankaj Rao का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ankita Rao का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Pankaj Rao एवं Ankita Rao दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ankita Rao अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Pankaj Rao अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Pankaj Rao की तारा विपत तथा Ankita Rao की तारा मित्र है। Pankaj Rao की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pankaj Rao एवं Pankaj Rao के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ankita Rao हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ankita Rao को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Pankaj Rao की योनि व्याघ्र है तथा Ankita Rao की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pankaj Rao का राशि स्वामी Ankita Rao के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ankita Rao का राशि स्वामी Pankaj Rao के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Pankaj Rao का गण राक्षस है तथा Ankita Rao का गण भी राक्षस है। अर्थात Ankita Rao का गण Pankaj Rao के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Pankaj Rao एवं Ankita Rao दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Pankaj Rao से Ankita Rao की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ankita Rao से Pankaj Rao की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Pankaj Rao एवं Ankita Rao दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Pankaj Rao शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ankita Rao बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Pankaj Rao की नाड़ी मध्य है तथा Ankita Rao की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन

आवश्यक है। जिसके कारण Pankaj Rao एवं Ankita Rao के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pankaj Rao की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ankita Rao की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। पृथ्वी तत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Pankaj Rao और Ankita Rao के स्वाभाविक गुणों में अंतर रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः Pankaj Rao और Ankita Rao का मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Pankaj Rao की राशि का स्वामी बुध तथा Ankita Rao की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु तथा सम भाव में पड़ते हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Pankaj Rao और Ankita Rao एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर विवाद विरोध एवं वैमनस्य का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Ankita Rao की उग्रप्रवृति भी ऐसे वातावरण को बनाने में प्रमुख रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता का वातावरण रहेगा।

Pankaj Rao और Ankita Rao की जन्म राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके दुष्प्रभाव से वैवाहिक सुख में न्यूनता रहेगी तथा परस्पर आलोचना एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर पारिवारिक अशांति की बहुलता होगी। साथ ही परस्पर संबधों में तनाव एवं कटुता की प्रबलता से अलगाव तक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

Pankaj Rao का वश्य मानव तथा Ankita Rao का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद के मध्य स्वाभाविक शत्रुता एवं विषमता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा एक दूसरे को काम संबधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में सुख की न्यूनता रहेगी।

Pankaj Rao का वर्ण वैश्य एवं Ankita Rao का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। जहां Pankaj Rao वणिक बुद्धि के व्यक्ति होंगे तथा धनार्जन में नित्य तत्पर रहेंगे वहीं Ankita Rao पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने की इच्छुक रहेंगी।

धन

Pankaj Rao और Ankita Rao दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Pankaj Rao मध्य नाड़ी तथा Ankita Rao अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Ankita Rao के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Ankita Rao सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Ankita Rao को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Pankaj Rao और Ankita Rao का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Pankaj Rao और Ankita Rao को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Pankaj Rao और Ankita Rao के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ankita Rao का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ankita Rao के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ankita Rao सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Pankaj Rao और Ankita Rao को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Pankaj Rao और Ankita Rao का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ankita Rao के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। ।दापजं

त्व भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ankita Rao भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ankita Rao को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Pankaj Rao तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Pankaj Rao के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Pankaj Rao को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Pankaj Rao के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Pankaj Rao के प्रति अनुकूल ही रहेगा।